संख्या- 02-चार-ई/XXXVI(1)/2008-1(60)/90-टी.सी-I

प्रेषक,

आर० डी० पालीवाल, सचिव न्याय एवं विधि परामर्शी, उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में

जिलाधिकारी, टिहरी गढवाल ।

न्याय अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 23 अप्रैल, 2008

विषयः श्री जगतमणी पैन्यूली, अधिवक्ता को जिला टिहरी गढ़वाल में सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (सिविल) के पद पर आबद्ध किया जाना ।

महोदय.

जिला टिहरी गढ़वाल में सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (सिविल) के पद हेतु विधि व्यवसायियों का पैनल उपलब्ध कराये जाने विषयक अपने पत्र संख्या 1639/18–34 (2) दिनांक 27.2.2008 का कृपया संदर्भ लेने का कष्ट करें।

- 2— इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासन द्वारा सम्यक विचारोपरान्त श्री जगतमणी पैन्यूली, अधिवक्ता को सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (सिविल) टिहरी गढ़वाल के पद पर शासनादेश संख्या—135—एक(1)/XXXVI(1)/2006, दिनांक 26 सितम्बर, 2006 द्वारा निर्धारित फीस की दरों पर प्रतिधारक के रूप में आबन्धन—पत्र में उल्लिखित शर्तों के अधीन एक वर्ष के लिए आबद्ध किया जाता है। उनका आबन्धन—पत्र संलग्न है।
- 3— अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया सम्बन्धित अधिवक्ता के आवन्धन—पत्र उन्हें तुरन्त उपलब्ध कराते हुए उनसे लिखित सहमति/आयु का प्रमाण—पत्र, अधिवक्ता पंजीकरण प्रमाण—पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि तथा उनके आवास का विवरण प्राप्त कर शासन को यथाशीध भेजने का कष्ट करें ।
- 4- श्री जगतमणी पैन्यूली यदि इस समय शपथ-आयुक्त, नामिका वकील या नोटरी के पद पर कार्यरत हों, तो उनसे उक्त पद से त्याग पत्र प्राप्त कर लिया जाय तथा इसकी सूचना शासन को भी दी जाय ।
- 5— मुझे यह कहने का भी निदेश हुआ है कि यदि आबंधित अधिवक्ता लिखित सहमति तथा अपेक्षित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर दें तो आप न्यायालय का कार्य सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (सिविल), जिला टिहरी गढ़वाल के रूप में उक्त अधिवक्ता से प्रारम्भ करा दें ।

संलग्नकः उपरोक्तानुसार ।

(आर० डी० पालीवाल) • सचिव ।

भवदीयः

संख्याः 02-चार-ई/XXXVI(1)/08-1(60)/90-टी.सी-I तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :--

1- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।

2- जिला न्यायाधीश, टिहरी गढवाल ।

3- कोषाधिकारी, टिहरी गढवाल ।

4- श्री जगतमणी पैन्यूली, अधिवक्ता, जिला न्यायालय परिसर, टिहरी गढवाल ।

5- निजी सचिव मा. मुख्य मंत्री जी / एन.आई.सी. / गार्ड फाइल ।

(आलोक कुमार वर्मा)

आज्ञा से

अपर संचिव ।